

Bolya shri hari re, sambhlo narnari harijan mare ek varta re, sahune sambhlavyanu chhe mann Bhajans Bhakti Songs

बोल्या श्री हरि रे, संभलो नारि हरिजन ;
घोड़ी ईक वर्ता री, साहू संभल्यानु छे मन (1)

मारी मूर्ति रे, मर लोका भोगा न मुक्ता ;
सरवे दिव्या छे रे, त्यानी से खुशी छे जुक्ता (2)

मारु धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनु नाम ;
sarve samrathi re, Shakti gune kari abhiram (3)

अती तेजोमया रे, रवि शशि कोटिक वरने जय ;
शीतल शान छे रे, तेजनी उपमा नव देवई (4)

तेमा हू रहू रे, द्वाभिष दिव्य सदा साकार ;
उरलाभ देव न रे, मरो कोई ना परमे (5)

जीव ईश्वर तनो रे, माया कल पुरष प्रधान ;
सहांस वश करु रे, सहरो प्रक हु भगवन (6)

अगनित वैश्वनी रे, उच्चि पालण परेल थाई ;
मेरी मारजी वीना रे, कोई थी तरुण नेवी आज (7)

एमा मुने जंजो रे, मरो आश्रित साव नरनारी ;
मेटो टीवीम अगडे री, वर्ता सत्य का छे मारी (8)

हुन ते टीवीम करण रे, आव्यो धाम थकी धरि देह ;
प्रेमानंद नू रे, व्हालो वरस्य अमृत मेह (9)

Source:

<https://www.bharattemples.com/bolya-shri-hari-re-sambhlo-narnari-harijanmare-e-k-varta-re-sahune-sambhlavyanu-chhe-mann-1/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>